अर्थशास्त्र
सत्र 2021–22
सेमेस्टर – I
औद्योगिक अर्थशास्त्र
(Industrial Economics)
प्रश्नपत्र – पंचम

PECCT 105

कुल अंक 80
न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 औद्योगीकरण की परिभाषा एवं आवश्यकता। औद्योगीकरण की अवस्थाएं एवं निर्धारक तत्व। अल्प विकसित देशों में औद्योगिक समस्याएं एवं दूर करने के उपाय। औद्योगिक स्थानीकरण से आशय एवं प्रभावित करने वाले घटक। औद्योगिक स्थानीकरण के सिद्धांत –अल्फ्रेड बेबर एवं सार्जेन्ट फलोरन्स।

इकाई – 2 औद्योगिक इकाई अथवा फर्म का आकार, प्रभावित करने वाले घटक, आकार की माप, अनुकूलतम फर्म की अवधारणा। भारत की औद्योगिक नीति 1991 एवं बाजार की नई प्रवृत्तियां– उदारीकरण, निजीकरण एवं भूमण्डलीकरण।

इकाई – 3 औद्योगिक वित्त – भारत में औद्योगिक विकास हेतु सुलभ वित्तीय संस्थाएं– आई.डी.बी.आई, आई.एफ.सी, आई.एस.एफ.सी. एवं एस.आई.डी.सी. आदि व्यापारिक बैंकों की भूमिका। उद्योगों में विवेकीकरण से आशय लाभ व हानि। भारत में व्यापारिक बैंक।

इकाई – 4 औद्योगिक संघर्ष– कारण, परिणाम एवं दूर करने के उपाय। श्रम कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षाएं। भारत के लघु एवं कुटीर उद्योग। छत्तीसगढ़ में उद्योगों का केंद्रीयकरण एवं औद्योगिक विकास की संभावनाएं।

संदर्भ ग्रंथ :–

1- Ahluwalia L.J. (1985), Industrial Growth In India. Oxford University Press, New Delhi.
2- Kuchhai S.C. (1980) Industrial Economy Of India (5th Edition), Chaitanya Publishing House, Allahabad.
3. औद्योगिक अर्थशास्त्र – डॉ. कुलश्रेष्ठ लोक भारतीय प्रकाशन इलाहाबाद।
4. औद्योगिक अर्थशास्त्र – डॉ. पी.सी. सिन्हा/पुष्पा सिन्हा नेशनल पब्लिशिंग हाउस इलाहाबाद।
5- Barthwal R.R. (1985) Industrial Economics, Weley Ltd. New Delhi.
6- Cherunilam, F. (1994) Industrial Economics: India Perspective (3rd Edition) Himalaya Publishing House, Mumbai.

अर्थशास्त्र
सत्र 2021–22
सेमेस्टर – I
कृषि अर्थशास्त्र
(Agriculture economics)
वैकल्पिक प्रश्नपत्र – पंचम
PECET 106

कुल अंक 80
न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 सामान्य परिचय – कृषि अर्थशास्त्र का अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र । कृषि तथा आर्थिक विकास, भूमि संसाधन महत्व तथा सीमाएं। फसल प्रणाली – विभिन्न प्रकार लघु प्रणाली तथा वृहद् प्रणाली। कृषि उत्पादन का मापन (उत्पादकता) फसल तथा फसल उत्पादन के तरीके। कृषि प्रणाली।

इकाई – 2 सिंचाई– अर्थ, स्त्रोत, महत्व तथा सिंचाई के प्रकार। सिंचाई परियोजना, सिंचाई परियोजना हेतु वित्त व्यवस्था। नदी जल विवाद। कृषि हेतु वित्त – कृषि क्षेत्र में पूंजी प्रदाय का तरीका, कृषि कर का राजकोषीय दृष्टि से महत्व, कृषि निर्यात तथा आयात। कृषि निर्यात हेतु संस्थागत सहायता।

इकाई – 3 कृषि श्रम – परिभाषा, विशेषताएं, प्रकार, महत्व। कृषि श्रम की मांग तथा पूर्ति। कृषि श्रम का विकास। कृषि श्रम की कार्यक्षमता। न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, कृषि मजदूरी की नीतियां।

इकाई – 4 कृषि तकनीक – तकनीक की आधारभूत अवधारणा – कृषि तकनीक अन्तरण। कृषि तकनीक के प्रकार। कृषि तकनीक का कृषि समस्या पर प्रभाव। कृषि में नवप्रवर्तन का प्रयोग। कृषि मूल्य – कृषि मूल्य हेतु स्थायित्व की आवश्यकता, उद्देश्य एवं नीति, कृषि लागत तथा मूल्य हेतु आयोग – कार्य तथा संगठन।

संदर्भ ग्रंथ :–

1- Basil P-C.'' Agricultureal Programmes Of India.
2- Bhatnagar O. Pand Desai G.R. '' Management Of Agricultural Extension.
3- Benjamin R.E. Harisharan S.V. Karunakaran. '' Economics Of Agriculture.
4- Dhingra I.C'' Indian Economic Problem.
5- For. Ster-G.W. And Leager Meroc'' Elements Of Agricultural Economics

अर्थशास्त्र
सत्र 2021–22
सेमेस्टर – II
श्रम अर्थशास्त्र
(Labour Economics)
प्रश्नपत्र – पंचम
PECCT205

कुल अंक 80
न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 श्रम अर्थशास्त्र – परिभाषा, क्षेत्र व महत्व। श्रम बाजार एवं भारत में श्रम बाजार की विशेषताएं भारत में श्रमिकों की विशेषताएं एवं प्रवासी प्रवृत्ति – कारण व प्रभाव एवं दूर करने के उपाय।

श्रमिकों का जीवन स्तर – भारत में श्रमिकों का जीवन स्तर एवं उसकी कार्यकुशलता। श्रम नीति – भारत में श्रम नीति के उद्देश्य, महत्व व विशेषताएं।

इकाई – 2 भारतीय उद्योगों में विवेकीकरण। मजदूरी भुगतान की रीतियां– समयानुसार मजदूरी एवं कार्यानुसार मजदूरी। मजदूरी के सिद्धांत– न्यनतम मजदूरी नीति, उचित मजदूरी नीति एवं जीवन निर्वाह मजदूरी सिद्धांत।

इकाई – 3 भारत में श्रमिक संघ आंदोलन की उत्पत्ति, वर्तमान समस्याएं एवं उन्हे दूर करने के उपाय। सामूहिक सौदेबाजी – भारत में सामूहिक सौदेबाजी की आवश्यकता। औद्योगिक संघर्ष या विवाद– भारत में औद्योगिक संघर्ष के कारण, परिणाम एवं दूर करने के उपाय। भारत में बेरोजगारी कारण परिणाम व दूर करने के उपाय।

इकाई – 4 भारत में श्रम कल्याण – आशय, महत्व एवं सरकार द्वारा उठाये गये कदम। भारत में सामाजिक सुरक्षा – आशय, विशेषताएं एवं बेहतर बनाने के सुझाव। भारत में बाल एवं महिला श्रमिकों की स्थिति। छत्तीसगढ़ में श्रम पलायन के कारण प्रभाव व रोकने के उपाय।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Hajela. P.D. (1998) Labour Restructuring In India : A Critique Of The New Economic Policies, Common Wealth Publishers, New Delhi.
2. Papola, T.S.P. Ghosh And A.N. Sharma (Eds) (1993) Labour, Employment And Relations In India B.R. Publishing Corporation, New Delhi.
3. वी.सी. सिन्हा– श्रम अर्थशास्त्र
4. श्रम समस्याएं व सामाजिक सूरक्षा – डॉ एस.सी. सक्सेना।

अर्थशास्त्र

सत्र 2021–22

सेमेस्टर – II

ग्रामीण–सहकारिता

(Rural Co-operation)

वैकल्पिक प्रश्नपत्र – पंचम

PECET 206

कुल अंक 80
न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 सहकारिता – उत्पत्ति, उद्देश्य तथा विकास। सहकारिता का अर्थ तथा विशेषताएं। सहकारिता के सिद्धांत अर्थ तथा विभिन्न घटक। भारत में सहकारिता का इतिहास तथा विकास।

इकाई – 2 पंचवर्षीय योजना में सहकारिता की प्रगति। ग्रामीण साख तथा सहकारिता। कृषि साख समितियां, उद्देश्य, इतिहास, संगठन तथा पंजीयन। कृषि साख समितियों का कार्य क्षेत्र तथा उनकी जिम्मेदारियां। कृषि साख समितियों की वित्तिय स्थिति तथा उसमें वाणिज्यिक बैंकों का योगदान।

इकाई – 3 कृषि क्षेत्र की बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियां – बड़े आकार की समितियां – प्राथमिक समिति की प्रगति, कृषक सेवा समितियों की कार्यप्रणाली। बैंको का आकार तथा कार्य क्षेत्र, कार्यप्रणाली। केन्द्रीय सहकारी बैंको की कठिनाईयां तथा कार्य प्रणाली में सुधार के सुझाव।

इकाई – 4 भूमि विकास बैंक – आवश्यकता, वर्गीकरण। भारत में भूमि विकास बैंक का विस्तार। राज्य सहकारी बैंक– आवश्यकता तथा कार्य। राज्य सहकारी बैंक की कार्यशील पूँजी के स्त्रोत, राज्य सहकारी बैंक का प्रबंध, सहकारी क्षेत्र के बैंकों का प्रबंधन।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Co-Operation - B.S. Mathur
2. Rural Development In India - Dr. D.C. Pant
3. Economic Development In India - C. B. Mamaoria
4. Industrial Economics - V.C. Sinha
5. Agriculture Co-Operation Marketing Rural Development- Agrawal & Jain
6. Rural Development - I. Satya Sundram
7. Rural Finance - Bhagirath & Singh
8. Indian Economics - A.N. Sachdeva Basu